units worth Rs. 21.7 crores during 1981-82 can be considered as normal, particularly when some of the investors who had invested in units in 1978-79 to avail of the Capital Gains Tax Exemption under Section 54-E of the Income-tax Act might have encashed their units after completion of the mandatory period of 3 years, in 1981-82.

(b) It is not correct that administrative expenses of the Trust are high compared to the growth in volume of business and income. On the contrary, the percentage of gross expenses (inclusive of commissions paid to agents for the sale of units) to income have, in fact, come down as revealed by the following Table:

(Rupees crores)

Year	Gross Income	Gross Expenses	Gross Expenses to Income (%)
1978-79 .	40·47	2·66	6·57
1979-80 .	51·39	2·45	4·77
1980-81 .	60·73	3·07	5·05
1981-82 .	78·49	4·13	5·26
1982-83 .	101·67	5·05	4·97

Administrative expenses are not related to the repurchases of units by the Trust, which have remained more or less constant except in 1981-82.

इंदौर की एक कम्पनी द्वारा गाय की चर्बी का कथित गैर-कानूनी आयात

37. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में इंदौर की किसी कम्पनी के विरुद्ध गाय की चर्बी का गैर-कानूनी आयात करने के संबंध में कोई मामला दर्ज किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस मामले में कोई जांच की जा रही है ;

(ग) क्या सरकार का ध्यान 17 सितम्बर, 1983 के भोपाल के "दैनिक स्वदेश" में इस सम्बन्ध में प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(घ) 1980 से सितम्बर, 1983 की अवधि के दौरान कितनी गाय की चर्बी और कितनी सूअर की चर्बी का निर्यात किया गया था ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राम दुलारी सिन्हा): (क) जी, हां ।

(ख) फर्म ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है और उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का फैसला होने तक जांच कार्य रोकने के अन्तरिम आदेश दिए हैं ।

(ग) कथित समाचार को देखना संभव नहीं हुआ है ।

(घ) यह सम्भवतः आयात से सम्बन्धित है । गाय की चर्बी और सूअर की चर्बी के आयात आंकड़े अलग से नहीं रखे जाते । लेकिन 1979–80, 1980–81 और 1981–82 (जनवरी, 1982 तक), जिसके लिये इस समय आंकड़े उपलब्ध हैं, के दौरान सूअर तथा कुक्कुट की बिना पिघली वसा के किसी आयात की रिपोर्ट नही है ।

स्वायत्त निकायों को अनुदान देने के बारे में आठवें वित्त आयोग का सुझाव

38. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आठवें वित्त आयोग ने देश के स्वायत्त निकायों को दिये जाने वाले अनुदानों को बढ़ाने के बारे में एक सुझाव दिया है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : (क) वित्त आयोग की रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) यह प्रश्न उपस्थित नहीं होता।

पाकिस्तान द्वारा रक्षा संबंधी तैयारी

39. **श्री गया चंद भुयान** : क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पाकिस्तान ने अपनी रक्षा सम्बन्धी तैयारी को किस हद तक और किस प्रकार से शक्तिशाली बनाया है ;

(ख) पाकिस्तान ने अमरीका से किस प्रकार के रक्षा उपकरण और हथियार इत्यादि खरीदे हैं और इस मामले में चीन ने पाकिस्तान की कितनी मदद की है ;

(ग) क्या यह सच है कि पाकिस्तान किसी भी समय एक परमाणु बम का विस्फोट कर सकता है, यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ; और

(घ) सरकार देश को इस प्रकार की स्थिति से बचाने के लिये क्या उपाय कर रही है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) और (ख) पाकिस्तान के बारे में यह पता चला है कि वह अमरीका, चीन और अन्य देशों से आधुनिकतम हथियार जिनमें उन्नत विमान, टैंक कवचित कार्मिक वहाक, बंदूक, मिसाइल, तोप तथा हवाई सुरक्षा प्रणाली सम्मिलित हैं लेने के अलावा टैंक रोधी हथियार नौसेना प्रक्षेपणास्त्र और संचार उपस्कर प्राप्त करने के प्रयास कर रहा है। इन हथियारों की प्राप्ति से पाकिस्तान की प्रहारक क्षमता में काफी वृद्धि होगी।

(ग) और (घ) उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि पाकिस्तान परिष्कृत यूरेनियम और परमाणु ईंधन की पुर्नप्रक्रिया क्षमता प्राप्त करने के बारे में लगातार प्रयास कर रहा है जिससे कि वह परमाणु शस्त्र का विस्फोट करने में सक्षम हो सके।

सरकार उन सभी गतिविधियों पर निरन्तर नजर रखती है जिनका देश की सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है और पूरी रक्षा तैयारी बनाए रखने के लिये समय-समय पर उचित उपाय करती है।

विमान यात्रियों को विदेशी कम्पनियों द्वारा पत्रिकाओं की सप्लाई

40. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्व में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो अपने विमान यात्रियों को विदेशी कम्पनियों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं सप्लाई करता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस सम्बन्ध में संसद सदस्यों द्वारा शिकायतें